शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद के अभिनव प्रयास

काव्यांजलि सृजन

बाल गीत

संकलन-

काव्य सृजन टीम, मिशन शिक्षण संवाद

कृपया सुझाव या शिकायत के व्हाट्सएप करें.. 94582 78429

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 01 दिनांक- 23.05.2021 रविवार

मेहंदी

हरी-हरी पत्तियों को,
जब सिल पर पीसा जाता है।
कोमल-कोमल हाथों पर,
तब इसे लगाया जाता है।।

सूख-सूख जब झड़ने को हो,
तब इसे छुड़ाया जाता है।
लाल-लाल सुन्दर गाढ़ा रंग,
तब हाथों पर रच जाता है।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
सं० वि० बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 02 दिनांक-23/05/202 रविवार

हम मीठे फल

मैं हूँ फलों का राजा आम,
'मैंगो' है अंग्रेजी नाम।
चटनी और अचार बनाते,
पके आम को मज़े से खाते।।

मीठा-मीठा मैं हूँ कमाल,
बाहर हरा हूँ भीतर लाल।
काले-काले मेरे बीज,
नाम मेरा कहते 'तरबूज'।।

लाल हैं दाने मेरे भीतर,
सबके मन को भाता हूँ।
ताकत देता,मीठा होता,
मैं अनार कहलाता हूँ।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा, बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 03 दिनांक- रविवार, 23/05/2021

लाल रंग की महिमा

लाल रंग की गाजर होती,
लाल रंग का चुकन्दर।
भरी हुई हैं ढ़ेरों खूबी,
दोनों के ही अन्दर।।

लाल रंग के फल-सब्जी में,
विटामिन 'ए' है होता।
और हमारी आँखों के लिए,
यह वरदान है होता।।

रचना-

भावना शर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 04 दिनांक- 23/05/2021 रविवार

कुल्फी

कुल्फी वाला आया है,
मीठी कुल्फी लाया है।
रोज गली में आता है,
कुल्फी ले लो चिल्लाता है।।

चीनी, केसर, दुग्ध, बादाम,
खोया, काजू पड़े तमाम।
बच्चों को बहुत ही भाये,
गर्मी की रानी कहलाये।।

रचना
रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० विशुननगर, खैराबाद, सीतापुर

new text

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 05 दिनांक- रविवार 23.05.2021

चंदा मामा

चंदा मामा चंदा मामा,
तुम कितने प्यारे लगते हो।
झिलमिल तारों के बीच में,
तुम खूब चमकते हो ।।

कभी आधे कभी पूरे,
कभी तुम नजर नहीं आते हो।
घना अन्धेरा करके,
तुम कहाँ छुप जाते हो।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 06 दिनांक- रविवार, 23.05.21

वृक्ष

वृक्ष धरा की शान है,
वृक्षों से ही जहान है।
जीवन को देते आधार,
हमको खुशियाँ देते अपार।।

वृक्ष धरा का है श्रृंगार,
मिलती इससे चीजे अपार।
वृक्षों से मिलती ऑक्सीजन,
जब ये करते प्रकाश संश्लेषण।।

रचना-
रूपी त्रिपाठी (स० अ०)
उ० प्रा० वि० लोहारी
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 07 दिनांक- रविवार 23.05.2021

शहरों के उपनाम

कोयला नगरी है धनबाद,
पाँच नदियों की भूमि है पंजाब।
भारत का मैनचेस्टर कहलाता अहमदाबाद,
जुड़वा नगर है हैदराबाद और सिकन्दराबाद।।

राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा है कानपुर,
वन की नगरी कहलाए देहरादून।
कर्नाटक का रत्न है मैसूर,
भारत का पेरिस कहलाए जयपुर।।

पेठा नगरी है आगरा,
महलों का शहर है कोलकाता।
ताला नगरी कहलाता है अलीगढ़,
गोल्डन सिटी है अमृतसर।।

रचना-
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 08 दिनांक-23.05.2021, रविवार

लाल टमाटर

लाल टमाटर लाल टमाटर,
लगते हो तुम कितने सुन्दर!
खट्टा-खट्टा रस है भरा,
खाऊँगा तुमको जी भरकर।।

सिर पर है ताज सजा,
जैसे हो कोई राजा।
डाल से तुम्हे तोड़कर,
खाऊँगा ताजा-ताजा।।

रचना-
रीना (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad 07

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 09 दिनांक- रविवार,23/05/2021

पहेलियाँ

(1)
तीन अक्षर का मेरा नाम,
उल्टा सीधा एक समान।
पानी पर यह सैर कराए,
क्या हूँ मैं सभी बतायें?

(2)
सुबह–सबेरे घर आ जाता,
दुनिया भर की खबर बताता।
दादाजी का साथी पुराना,
क्या तुमने इसको पहचाना?

(3)
मुझको छीले, मुझको काटें
फिर भी मुझको कभी ना खाते।
छोटे बच्चों को मैं भाऊं,
बोलो तो मैं क्या कहलाऊं?

उत्तर- (1) जहाज (2) अखबार (3) पेंसिल

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 10 दिनांक- रविवार/23.05.2021

माँ की लोरी

माँ ने मीठी लोरी गाकर,
रात को मुझे सुलाया है।
चाँद और तारों ने मिलकर,
मुझे सपनों में झुलाया है।।

भोर हुआ उजियारा छाया,
सूरज ने ये बतलाया है।
नन्हीं चिड़ियाँ ने फिर गाकर,
आकर मुझे जगाया है।।

जागो कि तुमको,
एक सुन्दर सपना बुनना है।
जागो कि तुमको अब,
अपना भविष्य चुनना है।।

जागो कि तुमको,
बाधाओं से लड़ना है।
जागो कि तुमको,
जीवन पथ पर आगे बढ़ना है।।

रचना:-
माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली
ब्लॉक-जखोली, जनपद-रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 11 दिनांक- 23/05/2020 रविवार

बच्चों की कविताएँ

मैं

गोल मटोल गाल,
टमाटर से लाल।
होठ हैं गुलाब,
नैनों में ख्वाब।।
बाल काले-काले,
थोड़े से घुँघराले।
पापा के प्यारे,
माँ के दुलारे।।
क्या हो ये तुम ही?
जी..जी...जी...

तारे

तारे चमके चम-चम-चम,
देख चकित हो गए हैं हम।
इतने ऊँचे चमक रहे हो,
हीरे जैसे दमक रहे हो।।
जब सूरज दादा सोते,
तब तुम चमक बढ़ाते हो।
घोर अँधेरा जब भी हो,
तब तुम राह दिखाते हो।।

रचना- पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 12 दिनांक- 23.05.2021, रविवार

परी

परी मुझे मिल जाए अगर,
पूछूँगी मैं उससे जाकर ।
जादू छड़ी मुझे तुम देदो,
बदले में टॉफी बिस्किट लेलो।।

मैं भी तुम जैसी बन जाऊँ,
सारी दुनिया को घूम के आऊँ।
टॉफी चॉकलेट के पेड़ उगाऊँ,
दोस्तों के संग मै भी खाऊँ।।

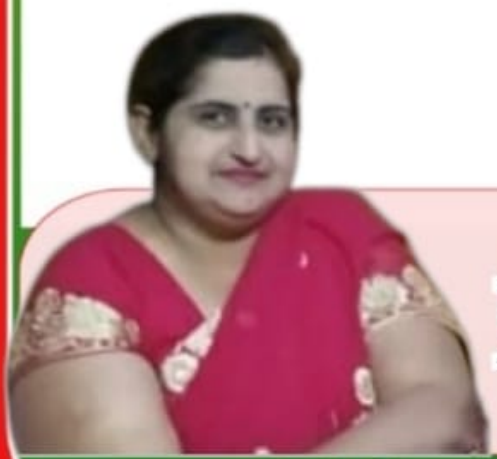

रचना-
मोना शर्मा (स०अ०)
कम्पोजिट वि० पूठी
वि० क्षेत्र- परीक्षितगढ़, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 13 दिनांक- 23/05/2021

तितली रानी

तितली रानी, तितली रानी,
रोज कहाँ से आती हो?
सुन्दर- सुन्दर पंख तुम्हारे,
फूलों पर तुम मँडराती हो।।

तुम हर दिन मेरे बगीचे में,
पंख हिला कर आती हो।
फूलों के रस को पी कर,
बहुत मगन हो जाती हो।।

मैं जब पास तुम्हारे जाता हूँ,
हाथ में न मेरे तुम आती हो।
झट से अपने रंग-बिरंगे पंखों से,
नभ की ओर उड़ जाती हो।।

तितली रानी तितली रानी,
तुम तो हो बहुत सयानी।

रचनाकार- सत्यम उमराव
कक्षा-05, एस आर पी स्कूल,कानपुर

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 14 दिनांक- 23/05/2021 रविवार

बेटी की अभिलाषा

माँ नहीं चाहिए कोई खेल खिलौना,
मुझको पढ़ने जाना है।
पढ़ लिखकर मुझको भी,
बाबा का सम्मान बढ़ाना है।।

मुझको भी अब साक्षर बनकर,
आत्म सम्मान बढ़ाना है।
अँधेरों को करके दूर मुझे अब,
जग में उजियारा फैलाना है।।

कलम को अपना हथियार बनाकर,
दूर बुराइयों को करना है।
बनकर डॉक्टर, इंजीनियर मुझको,
अब ठाठ-बाट से जीना है।।

थोड़ी हिम्मत मुझे दे देना,
सपनों को पूरा करना है।
आशाओं के पंख लगा कर,
आसमान को छूना है।।

रचना
स्वाति गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नाई
वि०क्षे० जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 15 दिनांक- 23.05.2021, रविवार

दादा जी

दादा जी हमारे बहुत प्यारे,
सारे जग में हैं सबसे न्यारे।
सुबह-सुबह जब उठते हैं,
हमें भी संग उठाते हैं।।

उठकर हमको सैर कराते,
हमारे साथ खूब खेल खेलते।
हम भी उनकी सेवा करते,
खाना-पानी समय भी देते।।

रचना-
माला सिंह (स०अ०)
क० वि० भरौटा
वि० क्षेत्र- सरधना, मेरठ

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 16 दिनांक- 23/05/2021

हरा-भरा पेड़ हूँ

मै हूँ हरा-भरा सा पेड़,
देना ना तुम मुझे बिखेर।
मै देता हूँ सबको छाया,
पास में मेरे जो भी आया।।

मै हूँ हरा-भरा सा पेड़,
देना ना तुम मुझे बिखेर।
मुझे दोस्त बनाओगे,
मस्त हवा तुम पाओगे।।

हवा भी देता हूँ भरपूर,
करना ना मुझे खुद से दूर।।
मीठे-मीठे फल मैं देता,
बदले में मै कुछ ना लेता।।

रचना

सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

Mission Shikshan Samvad

आओ हाथ से हाथ मिलाएँ, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएँ..

सृजन बाल गीत 17 दिनांक- 23.05.2021, रविवार

काली टोपी लाल रुमाल

काली टोपी लाल रूमाल,
पहनकर भालू चले सुसराल।
नाच रही थी बिल्ली मौसी,
आँखें थी गोल-गोल छोटी।।

हरे-हरे बेर लगे थे,
कुछ खट्टे और मीठे लगे थे।
अँगूर के गुच्छे लगे थे,
लोमड़ी को देख रहे थे।।

रचना-
ऊषा रानी (स०अ०)
कम्पोजिट वि० खाता
वि० क्षेत्र- मवाना, मेरठ

मिशन शिक्षण संवाद

रचनाकारों के नाम

1- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
2- शिखा वर्मा, सीतापुर
03- भावना शर्मा, मेरठ
04- रश्मि शर्मा, सीतापुर
05- मृदुला वर्मा, कानपुर
06- रूपी त्रिपाठी, कानपुर
07- रुखसाना बानो, मिर्जापुर
08- रीना, मेरठ
09- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
10- माधव सिंह नेगी, उत्तराखंड
11- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
12- मोना शर्मा, मेरठ
13- सत्यम उमराव,(छात्र) फतेहपुर
14- स्वाति गुप्ता, बदायूँ
15- माला सिंह, मेरठ
16- सुमन मौर्या, चन्दौली
17- ऊषा रानी, मेरठ

टेक्निकल सहयोग- सुनीता यादव, श्रावस्ती

मार्गदर्शन- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट